>

Title: Need to conduct the election of Northern Railway Employees Union as per the direction of the Supreme Court.

श्री संतोष गंगवार (बरेली): धन्यवाद अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय रेल मंत्री जी को यह अवगत कराना चाहता हूँ कि रेलवे के इतिहास में पहली बार रेल यूनियन की मान्यता के लिए नवम्बर, 2006 में सर्वोच्च न्यायालय के दिशा-निर्देश पर चुनाव हुए। इसमें मुख्य रूप से तीन-चार यूनियन सामने आयी थीं। उत्तर रेलवे में एक समस्या देखने को आ रही है कि जिस यूनियन को सर्वाधिक मत मिले, वह अधिकारियों के साथ मिलकर, नंबर दो पर रहने वाली यूनियन का उत्पीड़न कर रही है, इससे बहुत ज्यादा समस्या आ रही है। खासतौर पर दिल्ली मंडल में मान्यता प्राप्त यूनियन से कुछ कम वोट पाने के कारण, जो मुख्य विपक्षी यूनियन थी, उसके साथ भेदभाव हो रहा है, अधिकारी लोग इसकी ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं और उनका अनावश्यक उत्पीड़न किया जा रहा है।

अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय रेल मंत्री जी को अवगत कराना चाहूँगा कि वे इस ओर ध्यान दें और जो मुख्य विपक्षी यूनियन बनी है, वह उत्तर रेलवे कर्मचारी यूनियन के हिसाब से काम कर रही है और सही ढंग से काम कर रही है। कर्मचारियों को यह लग रहा है कि यह यूनियन अच्छा काम कर रही है, लेकिन कुछ अधिकारियों की मिलीभगत के कारण मान्यता प्राप्त यूनियन बिना वजह परेशान कर रही है और इस कारण अच्छे कर्मचारियों का शोषण हो रहा है। अधिकारी यह लिखकर देते हैं कि आप अच्छा काम कर रहे हैं और आप बहुत अच्छे कर्मचारी हैं, लेकिन उनका अनावश्यक उत्पीड़न करना और उनका स्थानान्तरण किया जाना, एक सामान्य बात हो गयी है।

अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय रेल मंत्री जी को अवगत कराना चाहूँगा कि वे इस ओर ध्यान दें और इस समस्या का निराकरण प्राथमिकता के आधार पर करवायें। धन्यवाद।